दैनिक भास्कर
बिलासपुर भास्कर 22-11-2025

जस्टिस कुरंगा की न्याय के प्रति प्रतिबद्धता याद रखी जाएगी: सीजे सिन्हा

बिलासपुर| हाई कोर्ट के दूसरे चीफ जस्टिस केएचएन. कुरंगा के निधन पर शुक्रवार हाई कोर्ट में फुल कोर्ट शोकसभा आयोजित की गई। दोपहर 3.30 बजे चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की अध्यक्षता में हुई इस शोकसभा में जस्टिस कुरंगा के न्यायिक योगदान को याद किया गया।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने कहा कि जस्टिस कुरंगा छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के दूसरे चीफ जस्टिस थे। उन्होंने 6 फरवरी 2002 को पदभार ग्रहण किया और 10 मई 2004 तक कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ न्यायपालिका का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जस्टिस कुरंगा अपने गहन विधिक ज्ञान, अनुशासनप्रियता और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए सदैव सम्मानित रहेंगे। उनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। इस दौरान हाई कोर्ट के सभी जज, न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, रजिस्ट्री के अधिकारियों समेत अतिरिक्त महाधिवक्ता यशवंत सिंह ठाकुर, स्टेट बार काउंसिल के विशेष समिति के सदस्य सीनियर एडवोकेट सुनील ओटवानी, हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रशासक राजेश कुमार केशरवानी, डिप्टी सॉलिसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद हाई कोर्ट की आगे की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।